भारत निर्वाचन आयोग
निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-**110001**

सं. **491**/मीडिया/**5**/**2011** तारीख **24** जनवरी, **2011**

<u>प्रेस रिलीज</u>

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रीय एवं वैश्विक जरूरतों के लिए भारतीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन भावी प्रशिक्षण एवं संसाधन केंद्र की स्थापना

सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन पद्धतियों के बारे में नई दिल्ली सम्मेलन में भारत का वर्णन वैश्विक गुरू के रूप में किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए निर्वाचन पद्धतियों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय राजधानी में एक संस्थान स्थापित करने वाला है। इस संस्थान का नाम भारतीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान **(**आई आई आई डी ई एम**)** होगा। इसकी घोषणा डॉ**.** एस**.** वाई**.** कुरैशी, भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा आयोग के हीरक जयंती समारोहों के भाग के रूप में उसके द्वारा आयोजित 'सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन पद्धति' के बारे में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलते हुए आज नई दिल्ली में इसकी उद्घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि संस्थान अगले कुछ माह में प्रयोग के लिए उपलब्ध होगा। भारतीय गणमान्य व्यक्तियों, निर्वाचन कार्मिकों और सिविल सोसाइटी संगठनों के अलावा पूरे विश्व के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के **30** से अधिक प्रमुखों तथा अंतर्राष्ट्रीय निर्वाचन निगरानी समूहों के प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। यह सम्मेलन निर्वाचन आयोग के हीरक जयंती समारोह के अंतिम दिवस से पूर्व दिवस को और कल राष्ट्रीय मतदाता दिवस के शुभारंभ पर आयोजित किया गया था।

डॉ**.** एस**.** वाई**.** कुरैशी ने पूर्ण निर्वाचक सहभागिता, विशेषकर युवकों की सहभागिता सुनिश्चित करने में मतदाता शिक्षा के महत्व की रूप-रेखा प्रस्तुत की तथा झारखंड और बिहार में आयोजित आयोग के मतदाता सहभागिता कार्यक्रमों के लाभों का संदर्भ दिया। उन्होंने निर्वाचनों में धन शक्ति के खतरों को भी रेखांकित किया और इससे निपटने के लिए भारत निर्वाचन आयोग की वर्तमान पहलों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विचारों और अनुभव को साझा करने से वैश्विक निर्वाचन प्रणाली और फिर वैश्विक लोकतंत्र सुदृढ़ होगा। भारत के निर्वाचन आयुक्त, श्री वी**.** एस**.** सम्पत और श्री एच**.** एस**.** ब्रह्मा ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

निर्वाचन पद्धतियों का मार्गदर्शन करने में भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका की सराहना करते हुए कई प्रतिनिधिमंडल सदस्यों ने भारत को निर्वाचन प्रबंधन का "वैश्विक गुरू" के रूप में उल्लेख किया। सभी सार्क देशों, अफ्रीका, उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका तथा यूरोप के कई देशों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। निर्वाचन निकायों ने मतदाता शिक्षा, युवकों की सहभागिता सिविल सोसाइटी की भागीदारी, मीडिया की भूमिका, धन शक्ति से निपटने, प्रौद्योगिकी के प्रयोग, आयोगों की स्वतंत्रता तथा अन्य संबंधित विषयों के क्षेत्रों में अपने अनुभव एवं सुविज्ञता का आदान-प्रदान किया।

सम्मेलन से हट कर, आगंतुक प्रतिनिधिमंडलों ने भारतीय ई वी एम की प्रर्दशनी को देखने में भी रूचि ली। कई देशों ने वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन पद्धतियां सृजित करने में भारत निर्वाचन आयोग के लिए अग्रणी भूमिका हेतु अनुरोध किया।

(तपस कुमार**)**
प्रधान सचिव